दिनांक 19.06.2017 को झारखण्ड राज्य पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता–2017 के उद्घाटन समारोह के अवसर पर माननीया राज्यपाल महोदया का सम्बोधन

झारखण्ड राज्य पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता–2017 में भाग लेनेवाले सभी Participants को मेरी ओर से शुभकामनाएँ। मुझे आशा ही नहीं, बल्कि पूर्ण विश्वास है कि इस competition में भाग लेने वाले पदाधिकारी/कर्मी अपने–अपने कौशल का भरपूर प्रदर्शन कर पूरे कार्यक्रम को सफल बनायेंगे।

अपराध नियंत्रण एवं प्रदेश में Law & Order के साथ–साथ इस प्रकार के State Level Competition में भाग लेना एक गौरव की बात है। मैं अपनी ओर से सभी Participants एवं Team को शुभकामनाएँ देती हूँ तथा अपेक्षा है कि वे इस Competition में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करें। इससे न केवल वे इस प्रतियोगिता में विजयश्री हासिल करेगे, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता के लिए भी चयनित होंगे। वहाँ भी वे अपने जज़्बे से अच्छा प्रदर्शन करें तथा प्रदेश की गरिमा को बढ़ायें।

यह सर्वविदित है कि पुलिस की दिनचर्या काफी व्यस्त होती है। उन्हें जनहित में अपने दायित्वों के निर्वहन हेतु सदैव तत्पर रहना चाहिये। जनता की सेवा में सदैव समर्पित रहना चाहिये। जनता से शालीनता से बात कर उनकी समस्याओं के निदान हेतु सदैव अग्रसर रहना चाहिये। इन सबके क्रम में उन्हें अनेक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है, अपितु भारी तनाव भी झेलना पड़ता

है। ऐसे में प्रसन्नता का विषय है कि इन सभी प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच समय निकालकर पुलिस पदाधिकारी/कर्मी न केवल खेल के प्रति रूचि रखते हैं, बल्कि उसमें सक्रियता से अपनी सहभागिता भी निभाते हैं।...

विदित है कि खेलकूद से न केवल शारीरिक एवं मानसिक क्षमता बढ़ती है, बल्कि अनुशासन एवं टीम भावना प्रबल होती है।

इस 13वीं झारखण्ड राज्य पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता-2017 के आयोजन के दरम्यान अनुसंधान संबंधी जो भी ज्ञान हमारे पुलिसकर्मी हासिल करें, उसका अधिकतम उपयोग अपने-अपने कार्य-क्षेत्रों में अनुसंधान के कार्यों में करेंगे। समाज में घटित हो रहे अपराधों को रोकने के लिए आवश्यक है कि अपराधियों को गिरफ्त में लिया जाय। इससे अपराधिक प्रवृत्ति वाले लोगों में न केवल भय का वातावरण होगा, बल्कि अपराध करने से भी डरेंगे। हमारे पुलिसकर्मी विभिन्न तकनीकों को सहारा लेकर अपराधियों को पकड़ें और जनता का विश्वास सदा हासिल करने की दिशा में कार्य करें। आज की पुलिस के समक्ष अपराध, नक्सलवाद, आतंकवाद एवं अनेक प्रकार की सामाजिक अपराध की समस्याएँ मौजूद हैं। इन समस्याओं का समाधान अनुसंधान की गुणवत्ता में वैज्ञानिक तथ्यों का समावेश कर किया जा सकता है। साथ ही आज के परिवेश में Social Policing के माध्यम से भी समाज में व्याप्त सामाजिक बुराईयों का समाधान किया जा सकता है।

मैं इस अवसर पर कहना चाहूँगी कि हमारे पुलिसकर्मी जन-सहयोग से कार्य करने की दिशा में पूर्णतः प्रयास करें। किसी भी हाल में जनता के विश्वास को ठेस न पहुँचायें। अनुसंधान

कार्यों में जन–सहयोग आवश्यक है। जनता के प्रति पुलिस का व्यवहार कुशल हो। Police-Public सहयोग की भावना प्रबल हो। जनता के बीच पुलिस की छवि ऐसी हो कि उन्हें अनुसंधान कार्यों में सदा अपेक्षित जन–सहयोग प्राप्त हों। साथ ही खुफिया नेटवर्किंग भी मजबूत हो और अपराध को पूर्णत: लगाम देने की दिशा में आगे बढ़ सकें। कोई भी व्यक्ति अपनी शिकायत थाना लेकर जाय तो उससे शालीनता से पेश आयें और उनकी शिकायत को दर्ज कर आगे की कार्रवाई करें।

आज के समय में cyber crime की घटना ज्यादा घटित हो रही है, जिससे की समाज का हर तबका प्रभावित हो रहा है। अपराधियों द्वारा नई–नई तकनीकों का प्रयोग कर घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। अपराध के इस नये–नये स्वरूपों को उजागर करने के लिये अनुसंधान में तकनीकी ज्ञान आवश्यक है। राष्ट्रीय स्तर पर नवीन तकनीक तथा वैज्ञानिक तरीकों का उपयोग किया जा रहा है। झारखण्ड पुलिस को भी इन तकनीकों को अपनाना चाहिए।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!